प्रेस विज्ञप्ति

24 मार्च 2013

राजनेतिक चुनाव सुधार पर 9वां वार्षिक सम्मेलन

- **मुख्य चुनाव आयुक्त वी.एस. सम्पथ ने कहा –**
  - **राजनैतिक दलों के सुशासन के लिए एक सम्पूर्ण कानून की आवश्यकता है**
  - **चुनाव आयोग ने बूथ कैपचर जैसी बुराई पर नियन्त्रण पा लिया है और अब अशिष्ट गुण्डागर्दी व बाहुबल को भी रोक लिया है। अब चुनाव में धनबल के दुरूपयोग को रोकने के लिए मजबूत कदम उठाने है।**
- **निखिल डे ने कहा कि पंचायती राज में बहुत कमियों होते हुए भी महिलाओं को खास कर गरीब महिलाओं को आगे बढाने का मौका मिला है।**

चुनाव और राजनैतिक पार्टीयों में सुधार हेतु आयोजित 9वे वार्षिक सम्मेलन में बोलते हुएं मुख्य चुनाव आयुक्त श्री सम्पथ ने अपना विस्तृत व्याख्यान दिया जिसमें उन्होंने देश के वर्तमान चुनाव व्यवस्था पर विस्तार से प्रकाश डाला। चुनाव आयोग चुनाव में धन के जबरदस्त इस्तेमाल को रोकने के तरीकों पर कार्य कर रहा है। खर्च निगरानी समिति अलग से बनाई गई है। और उसने काम प्रारम्भ कर दिया है इसके अलावा भी कई अलग –अलग व्यवस्थाएं की है जिसमें खर्च का अलग से ब्यौरा रखा जाता हे ताकि प्रत्याशी के लेखे पर सवाल उठाए जा सके।

चुनाव में प्रत्याशी द्वारा दिए जाने वाले खर्च के ब्यौरे में क्या –क्या परिवर्तन किए गए है उसको भी सबके सामने रखा। उन्होंने कहा कि पैसे देकर अखबार में समाचार छपवाने को लेकर चुनाव आयोग के पास कारवाई करने का अधिकार नहीं है इसमें प्रेस काउण्सिल ही कारवाई कर सकती है। अभी चुनाव आयोग के पास अधिकार नहीं है कि वो राजनैतिक दलों की मान्यता को रद्द कर सके।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि राजनैतिक दलों कि गतिविधियों का संचालन करने के लिए एक विधेयक की आवश्यकता है।

नेशनल इलेक्शन वाच व एडीआर द्वारा आयोजित राजनैतिक व चुनाव सुधार पर 9 वें वार्षिक सम्मेलन की आज दूसरे दिन की शुरूआत पंचायत के बहुत अच्छे अनुभव से प्रारम्भ हुई। चुनाव व्यवस्था में इतने भ्रष्टाचार के बावजूद कुछ लोगों ने सफलता से न्युनतम पैसों में चुनाव जीता और सफलता पूर्वक काम कर रहे है।

रूकमी देवी ने 2000 रूपए खर्च करके लोखों रूपए खर्च करने वाले प्रत्याशी को हराकर सरपंच बनी। कालूराम ने चुनाव में 654 रूपए खर्च करके चुनाव जीता। कमला बाई ने उस परिवार के प्रत्याशी को हराया जो स्वतन्त्र के बाद से लगातार चुनाव जीतता आ रहा था। बांरा की ग्यारसी बाई ने बुंधवा मजदूरों को मूफ्त कराने व उनको जर्माना दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बिना हिंसा के जमीन का हक दिलाना बहुत बड़ी उपलब्धि हैं सरपंच ने नरेगा मे पूरा पैसा दिलाया। नरेगा मस्टररोल को सही किया। नियमित रूप सामाजिक अंकेक्षण किया।

राजस्थान चुनाव आयुक्त ने पंचायत के सरपंचों की कहानी व आत्म विश्वास को सुनकर बहुत खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि चुनाव सुधार क्षेत्र का सीमांकन करना सबसे बड़ी समस्या है। आरक्षित सीटों का रोटेशन भी दूसरी बड़ी समस्या है। जो महिलाएं चुनाव लड़ती है उनको सुरक्षा प्रदान करना भी एक बड़ा मुद्दा है।

राजस्थान के मुख्य चुनाव आयुक्त ने आगामी विधान सभा चुनाव के लिए की जा रही तैयारियों के बारे में बताया । नागरिकों के सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नागरिक अपनी मुल्यवान वोट का इस्तेमाल सोच समझकर और नैतिकता के साथ करे ।

सम्भागियों द्वारा आमन्त्रित सुझावों के सत्र की अध्यक्षता करते हुए पत्रकार श्री निवासन जैन ने खुलासा किया कि सभी चुनावों जिसमें लोकसभा, राज्यों की विधान सभा व पंचायत चुनाव है इन सब का खर्च लगभग 80 हजार करोड़ रूपए है।

Ms. Aruna Roy Rajasthan Election Watch, E: arunaroy@gmail.com	**Ms. Renuka Pamecha** Rajasthan Election Watch, M: +91 9314503785 E: renukapamecha@yahoo.co.in	**Mr. Nikhil Dey** Rajasthan Election Watch, E: nikhildey@gmail.com	**Journalist Helpline**: +91-8010394248 adr@adrindia.org

Mr. Anil Bairwal National Coordinator National Election Watch, and Association for Democratic Reforms 011 4081 7601, +91 9999310100 adr@adrIndia.org, anil@adrIndia.org	**Prof Trilochan Sastry** IIM Bangalore Founder Member, National Election Watch, Association for Democratic Reforms +919448353285, trilochans@iimb.ernet.in	**Prof Jagdeep Chhokar** IIM Ahmedabad (Retd.) Founder Member National Election Watch, Association for Democratic Reforms +919999620944 jchhokar@gmail.com

RSVP:

Ms. Mashqura Fareedi (ADR and NEW) M: +91 9953595359 E: adr@adrindia.org, mashqura@adrindia.org	**Mr. Kamal Tank** (Rajasthan Election Watch) M: +91-94134-57292 E: kamalrti@gmail.com